बिहार विशिष्ट करेंट अफेयर्स अगस्त 2022

बिहार के मिथिला मखाना को मिला भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग सम्मान

चर्चा में क्यों ?

- बिहार का मिथिला क्षेत्र मखाना (फॉक्स नट) की खेती के लिए प्रसिद्ध है। अतः बिहार के किसानों द्वारा लम्बे समय से किये जा रहे मांग को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार ने मिथिला मखाना को जीआई टैग दे दिया है।

मुख्य बिंदु : -

- यह बिहार का पांचवां कृषि उत्पाद है, जिसे केंद्र सरकार द्वारा जीआई टैग से सम्मानित किया गया है।
- इससे पहले वर्ष 2016 में भागलपुर जिले के जरदालू आम और कतरनी धान (चावल), नवादा जिले के मगही पान और मुजफ्फरपुर जिले की शाही लीची को जीआई टैग मिल चुका है।
- बिहार भारत की कुल मखाना या फॉक्स नट आपूर्ति का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक का उत्पादन करता है। कई रोगों में गुणकारी होने के कारण इसको आज के अधुनिक जीवन का सुपर फूड कहा जाता है।
- मिथिला मखाना को स्थानीय रूप से मिथिला में माखन के रूप में जाना जाता है। इसका वानस्पतिक नाम यूरीले फेरोक्स सालिस्ब है। एक्वाटिक फॉक्स नट की इस विशेष किस्म की खेती बिहार के मिथिला क्षेत्र और नेपाल के आसपास के क्षेत्रों में की जाती है।
- फॉक्स नट या मखाना प्रोटीन एवं फाइबर जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध होते हैं और इनमें मैग्नीशियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस तथा आयरन जैसे विभिन्न सूक्ष्म पोषक तत्व भी पाए जाते हैं।
- यह ध्यान देने योग्य है कि बिहार के मैथिली ब्राह्मण समुदाय कोजागरा पूजा उत्सव के दौरान मखाने का बड़े पैमाने पर उपयोग और वितरण करते हैं।

जीआई टैग या भौगोलिक संकेत

- विश्व अंतर्राष्ट्रीय संपत्ति संगठन या डब्ल्यूआईपीओ के अनुसार, एक जीआई टैग का उपयोग उन उत्पादों के लिए किया जाता है, जिनकी विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है या उनमें ऐसे विशिष्ट गुण होते हैं जिन्हें, विशेष रूप से चिन्हित एकल क्षेत्र (भौगोलिक स्थान, शहर, क्षेत्र या देश के अनुरूप) में ही उगाया जा सकता है ।
- जीआई टैग अर्थात जियोग्राफिकल इंडीकेटर (Geographical Indication) को हिन्दी में भौगोलिक संकेत कहते हैं।

- इसके अलावा उत्पाद के गुण, विशेषताएं या प्रतिष्ठा अनिवार्य रूप से मूल स्थान के कारण ही होनी चाहिए। एक बार जब किसी उत्पाद को यह टैग मिल जाता है, तो कोई भी व्यक्ति या कंपनी उस नाम से मिलती-जुलती वस्तु नहीं बेच सकती है।
- एक बार यदि जी आई टैग किसी वस्तु/उत्पाद को मिल जाता है तो वह 10 वर्षों की अवधि के लिए वैध होता है, जिसके बाद इसे अपडेट किया जा सकता है।
- भारतीय संसद ने विभिन्न उत्पादों के रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण के लिए दिसंबर 1999 में एक अधिनियम पारित किया। जिसे अंग्रेजी में Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 कहा गया। इसे वर्ष 2003 से लागू किया गया है।
- बिहार के अब तक कुल 11 वस्तुओं/उत्पादों को विभिन्न श्रेणी में केंद्र सरकार द्वारा जी आई टैग दिया जा चुका है ।

बिहार में जीआई टैग प्राप्त उत्पादों की सूची			
क्र. सं.	**उत्पाद**	**श्रेणी**	**क्षेत्र**
1.	सिलाओ खाजा	खाद्य पदार्थ	नालंदा (राजगीर)
2.	सुजिनी कढ़ाई	हस्तकला	मुजफ्फरपुर
3.	सिक्की ग्रास हैंडिक्राफ्ट	हस्तकला	प. चंपारण का तिरहुत क्षेत्र
4.	मधुबनी पेंटिंग	हस्तकला	मिथिला क्षेत्र
5.	अप्लीक (खटवा)	हस्तकला	बिहार
6.	भागलपुर सिल्क	हस्तकला	भागलपुर
7.	शाही लीची	कृषि	मुजफ्फरपुर
8.	कतरनी चावल	कृषि	मुंगेर, बांका और दक्षिणी भागलपुर का क्षेत्र
9.	जर्दालु आम	कृषि	भागलपुर
10.	मगही पान	कृषि	औरंगाबाद, गया, नवादा और नालंदा
11.	मखाना	कृषि	मिथिला क्षेत्र

मैथिली लेखक नवकृष्ण ऐहिक को साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार,2022

चर्चा में क्यों ?

- साहित्य अकादमी ने वर्ष 2022 के लिए साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार की घोषणा कर दी है।
- साहित्य अकादमी द्वारा इस वर्ष कुल 23 भारतीय भाषाओं में साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया है।

मुख्य बिंदु- :

- बिहार राज्य के मधुबनी जिले के मूल एवं वर्तमान कोलकाता निवासी, युवा लेखक नवकृष्ण ऐहिक को उनके मैथिली व्यंग्य संग्रह " खुरचनभाइक कछमच्छी " के लिए साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार, 2022 देने की घोषणा की गयी है।
- नवकृष्ण ऐहिक को इससे पहले नवहस्ताक्षर पुरस्कार, सीसीआरटी जूनियर फैलोशिप पुरस्कार आदि से सम्मानित किया जा चुका है।
- 27 मई 1989 को बिहार प्रदेश के मधुबनी जिले के त्योंथा गांव में जन्मे नवकृष्ण ऐहिक का मूल नाम रूपेश कुमार झा है ।
- आईटी प्रोफेशनल रूपेश विगत 15 वर्षों से स्वतंत्र लेखन के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनकी मैथिली भाषा की अन्य रचनाओं में मुख्य रूप से कविता संग्रह 'एक मिसिया' वर्ष 2013 में और व्यंग्य संग्रह 'खुरचनभाइक कछमच्छी' वर्ष 2015 में प्रकाशित हो चुकी हैं।
- व्यंग्य नाटक 'कानफुसकी' नवकृष्ण ऐहिक की एक अन्य प्रमुख रचना है, इसके साथ ही रूपेश कुमार झा वर्तमान समय में प्रतिष्ठित ऑनलाइन पत्रिका मिथिमीडिया के संपादक और संचालक भी हैं।
- साहित्यअकादमी प्रत्येक वर्ष अपने द्वारा मान्यता प्रदत्त चौबीस भाषाओं में साहित्यिक कृतियों के लिए पुरस्कार प्रदान करती है, साथ ही इन्हीं भाषाओं में परस्पर साहित्यिक अनुवाद के लिए भी पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

साहित्य अकादमी

- साहित्य अकादमी की स्थापना वर्ष 1954 में भारत सरकार के 15 दिसंबर 1952 के प्रस्ताव के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था के रूप में हुई।
- अपनी स्थापना के समय से ही साहित्य अकादमी प्रतिवर्ष अपने द्वारा मान्यता प्रदत्त भारत की प्रमुख भाषाओं में से प्रत्येक में प्रकाशित सर्वोत्कृष्ट साहित्यिक रचना को पुरस्कार प्रदान करती है। पहली बार ये पुरस्कार वर्ष 1955 में दिए गए।

- वर्ष 2010 से साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्तकर्ता को 1,00,000/- रुपए की धनराशि पुरस्कारस्वरुप प्रदान किये जाते हैं।
- साहित्य अकादमी के पहले अध्यक्ष पंडित जवाहरलाल नेहरू थे,जबकि वर्तमान समय में प्रो. चंद्रशेखर कंबार को वर्ष 2018 से वर्ष 2022 तक के लिए साहित्य अकादमी का अध्यक्ष चुना गया है।
- साहित्य अकादमी द्वारा दिए जाने वाले मुख्य पुरस्कार : -

    1. साहित्य अकादमी पुरस्कार
    2. साहित्य अकादमी भाषा सम्मान
    3. साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार
    4. साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार
    5. साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार

डॉ. वीरेन्द्र झा को मिला ' उड़न-छू ' के लिए साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार, 2022

चर्चा में क्यों ?

- साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर कम्बार की अध्यक्षता में हुई कार्यकारी मंडल की बैठक में विभिन्न भाषाओं के 22 लेखकों की कृतियों को वर्ष 2022 के साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार के लिए चुना गया ।
- पंजाबी भाषा में इस वर्ष पुरस्कार नहीं दिया जा रहा है। संथाली भाषा में पुरस्कार की घोषणा बाद में की जाएगी।

मुख्य बिंदु : -

- बिहार प्रदेश के मधुबनी जिले के गांव दुल्लीपट्टी में जन्म लेने वाले डॉ .वीरेन्द्र झा को अपने गांव दुल्लीपट्टी और जयनगर का इतिहास लिखने का श्रेय भी दिया जाता है।
- 'उड़न-छू' पुस्तक में बच्चों के लिए परम्परागत शिक्षा के प्रति जागरूकता व प्रगतिशीलता को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया गया है।
- सहज-सरल भाषा में लिखी इस पुस्तक की कहानियों में बच्चों को भाषा, प्रकृति, पशु-पक्षी आदि के प्रति जिम्मेदार होने की शिक्षा दी गयी है। शिक्षा एवं वैज्ञानिक चेतना इन कहानियों का मुख्य केंद्र-बिंदु है।

- डॉ. वीरेन्द्र झा की अब तक लगभग 20 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें पांच पुस्तकें बाल साहित्य की, तीन बाल उपन्यास की और एक बाल नाटक हैं, जबकि अन्य कई पुस्तकें प्रकाशन में हैं।
- पुरस्कार स्वरूप एक उत्कीर्ण ताम्रफलक तथा 50,000 रुपए की सम्मान राशि, प्रदान की जाती है।पंजाबी भाषा में इस वर्ष पुरस्कार नहीं दिया जा रहा है। संथाली भाषा में पुरस्कार की घोषणा बाद में की जाएगी।

- यह सभी पुरस्कार केवल उन पुस्तकों को दिया जाता है, जो पुरस्कार दिए जाने वाले वर्ष के तत्काल पहले वर्ष के अंतिम पाँच वर्षों में (अर्थात् 1 जनवरी 2016 से 31 दिसंबर 2020 के मध्य) प्रथम बार प्रकाशित हुई हैं।

मनरेगा क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में बक्सर को मिला बिहार में प्रथम स्थान

चर्चा में क्यों ?

- रोजगार गारंटी योजना के तहत 100 दिनों तक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की सबसे बड़ी योजना मनरेगा की वर्तमान स्थिति बिहार में क्या है, इस सन्दर्भ में प्रदेश के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही का रिपोर्ट जारी कर दिया गया है।
- वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में बिहार के बक्सर जिला ने मनरेगा कार्यों में बेहतर प्रदर्शन कर पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जबकि राजधानी पटना 65.85 अंक के साथ रैंकिंग में 31वें स्थान पर है।

मुख्य बिंदु- :

- अप्रैल से जुलाई तक की एमआइएस) प्रबंधन सूचना प्रणाली (रिपोर्ट के आधार पर बक्सर जिले को बिहार में पहला स्थान मिला है। इस रैंकिंग के लिए आवश्यक नौ मापदंडों के लिए निर्धारित 100 अंकों में से बक्सर ने 89.15 अंक प्राप्त किए हैं।
- 87.88 अंक के साथ जहानाबाद दूसरे स्थान पर है, जबकि वैशाली को 81.78 अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। शीर्ष पांच जिलों में बक्सर, जहानाबाद और वैशाली के बाद गया और पूर्वी चंपारण का स्थान है।

- सीतामढ़ी छठे स्थान पर, सातवें पर मुजफ्फरपुर और आठवें स्थान पर मुंगेर तथा दसवें पर नालंदा ने रैंकिंग प्राप्त की है। बक्सर के पड़ोसी जिले शाहाबाद तथा अन्य जिलों में कैमूर ने रैंकिंग में नौवां स्थान प्राप्त किया है तथा रोहतास 11वें स्थान पर है, जबकि भोजपुर ने 25वां स्थान हासिल किया है।
- रैंकिंग में पहली बार अमृत सरोवर के काम को भी शामिल किया गया है,बावजूद इसके इस रैंकिंग में सबसे नीचे शिवहर जिले का स्थान है। इस रैंकिंग में बक्सर पिछले वर्ष की अपेक्षा सुधार का प्रदर्शन किया है, इसके पहले समस्तीपुर जिला मनरेगा रैंकिंग में प्रथम स्थान पर था, लेकिन इस बार समस्तीपुर पिछड़कर 22वें स्थान पर है।
- रैंकिंग के निर्धारित मापदंडों में पौधारोपण के मामले में पटना जिला तीसरे स्थान पर और योजनाओं को समय पर पूरा करने के मामले में 31वें स्थान पर है। मजदूरों को समय से भुगतान करने के मामले में भी पटना 26 वें स्थान पर है साथ ही महिलाओं को रोजगार देने के मामले में पटना जिला 18 वें स्थान पर है।

- मनरेगा की रैंकिंग अमृत सरोवर के निर्माण लिए स्थल का चयन करने और इससे सम्बंधित कार्य को पूरा कराने के लिए चयनित योजनाओं को पूर्ण कराने, अनुसूचित जातियों/जनजातियों के लोगों की मनरेगा में भागीदारी, महिलाओं को मिलने वाले काम, पौधारोपण का निरीक्षण और अन्य कार्यों की पूर्णता के साथ-साथ कृषि कार्य पर कितना खर्च किया गया इस सन्दर्भ में जारी की जाती है।

राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त) के अवसर पर बिहार के 211 खिलाड़ियों और 6 प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया

चर्चा में क्यों ?

- बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल के विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में शामिल 211 खिलाड़ियों एवं 6 प्रशिक्षकों को बिहार खेल सम्मान से सम्मानित किया गया।

- इस वर्ष पहली बार अखिल भारतीय विश्वविद्यालय स्तरीय खेल, एशियन चैम्पियनशिप खेल और सैफ खेलों को भी बिहार खेल सम्मान की आधिकारिक सूची में शामिल किया गया है।

मुख्य बिंदु : -

- चयनित सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के लिए राज्य सरकार द्वारा कुल नगद सम्मान राशि 3 करोड़ 11 लाख 15 हजार 792 रुपये का आवंटन बिहार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को किया गया है।

BYJU'S EXAM PREP

- टोक्यो पैरालम्पिक, 2020 के पारा बैडमिन्टन खिलाड़ी, स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद भगत को (पुरुष एकल एसएल 3 वर्ग में) सम्मानस्वरूप एक करोड़ रुपये, टोक्यो पारालम्पिक 2020 में पुरुष ऊंची कूद में कांस्य पदक विजेता शरत कुमार को पचास लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।
- यह उल्लेखनीय है कि इस सन्दर्भ में 24वें समर डिफ्लिंपिक्स, 2021 ब्राजील बैडमिंटन (गोल्ड विजेता) ऋतिक आनन्द को 15 लाख रुपये नगद पुरस्कार राशि एवं 24वें समर डिफ्लिंपिक्स, 2021 ब्राजील शूटिंग में सातवां स्थान प्राप्त करने वाले अभिषेक कुमार को दो लाख रुपये नगद पुरस्कार राशि से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पूर्व में सम्मानित किया जा चुका है।
- कॉमनवेल्थ गेम्स, 2022 बर्मिंघम में लॉन बॉल (मेनफोर्स इवेन्ट) में रजत पदक प्राप्तकर्ता चंदन कुमार को 15 लाख रुपये, रग्बी की महिला खिलाड़ी आरती कुमारी और सपना कुमारी को 8 लाख 33 हजार 333 रुपये पुरस्कार स्वरुप दिया गया है।
- यह ध्यान देने योग्य है कि इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले चयनित प्रतिभागियों को दी जाने वाली नगद राशि को पहले से दोगुना कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त इस वर्ष से सामान्य एवं दिव्यांग दोनों श्रेणियों में खिलाड़ियों को सम्मानस्वरूप नगद राशि का प्रावधान किया गया है।
- बिहार खेल सम्मान से सम्मानित प्रशिक्षकों में राजेन्द्र प्रसाद (भारोत्तोलन),अनुप कुमार (वुशू), गौतम प्रताप सिंह (रग्बी),पंकज कुमार रंजन (सेपकटाकरा), पिंकी कुमारी (एकलव्य प्रशिक्षक - फुटबॉल), असगर हुसैन (फुटबॉल) शामिल हैं।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आठवीं बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद अपने कैबिनेट का पुनः विस्तार किया

चर्चा में क्यों ?

- नीतीश कुमार की नई कैबिनेट में महागठबंधन से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सबसे अधिक 17 विधायकों को शामिल किया गया है, इसके बाद जदयू के 11 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलायी गई है।

- मुख्यमंत्री के रूप में श्री नीतीश कुमार ने रिकॉर्ड आठवीं बार शपथ ली। नीतीश कुमार बिहार के सर्वाधिक समय तक रहनेवाले मुख्यमंत्री बने हैं, जबकि देश में पवन चामलिंग सर्वाधिक समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं।

मुख्य बिंदु : -

BYJU'S EXAM PREP

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास सामान्य प्रशासन, गृह और निगरानी मंत्रालय, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव को स्वास्थ्य, सड़क और नगर विकास मंत्रालय तथा तेजप्रताप याादव को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।
- इस नवगठित मंत्रिमंडल में कांग्रेस के दो और हम के एक विधायक को भी मंत्री बनाया गया है।इसके अतिरिक्त एक निर्दलीय प्रत्याशी सुमित कुमार सिंह भी नीतीश कुमार के कैबिनेट में शामिल हुए हैं।
- बिहार के वर्तमान राज्यपाल श्री फागू चौहान ने पांच और छह के बैच में सभी नए चयनित मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल में शामिल की गईं तीन महिला मंत्रियों में शीला कुमारी और लेशी सिंह जदयू से जबकि अनीता देवी राजद से हैं।
- नवगठित महागठबंधन वाले मंत्रिमंडल में पांच मुसलमानों में जदयू से ज़मा खान, कांग्रेस से मोहम्मद अफाक आलम और राजद से शमीम अहमद, इसराइल मंसूरी एवं शाहनवाज़ आलम शामिल हैं ।
- नवगठित महागठबंधन वाले मंत्रिमंडल में दलित समुदाय से पांच मंत्रियों, जिनमें जदयू के अशोक चौधरी, राजद के कुमार सर्वजीत और सुरेंद्र राम, कांग्रेस के मुरारी गौतम और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम)के संतोष कुमार सुमन को शामिल किया गया है।

नए मंत्रियों को आवंटित कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालय	
मंत्री	**आवंटित मंत्रालय**
नीतीश कुमार (मुख्यमंत्री)	सामान्य प्रशासन, गृह, सचिवालय निगरानी, निर्वाचन, एवं मंत्रिमंडल के अन्य सभी मंत्रालय जो किसी को आवंटित नहीं किये गए हैं ।
तेजस्वी प्रसाद यादव (उप मुख्यमंत्री)	स्वास्थ्य, पथ निर्माण, नगर विकास एवं आवास, ग्रामीण कार्य ।
विजय कुमार चौधरी	वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य ।
बिजेंद्र प्रसाद यादव	ऊर्जा, योजना एवं विकास ।
आलोक कुमार मेहता	राजस्व एवं भूमि सुधार ।
आफाक आलम	पशु एवं मत्स्य संसाधन ।
अशोक चौधरी	भवन निर्माण ।

श्रवण कुमार	ग्रामीण विकास ।
सुरेंद्र प्रसाद यादव	सहकारिता।

लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड-2022 से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- शहनाई वादक भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के जीवन पर शोधपरक पुस्तक लिखने के लिए मुरली मनोहर श्रीवास्तव को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड-2022 से सम्मानित गया है।

मुख्य बिंदु : –

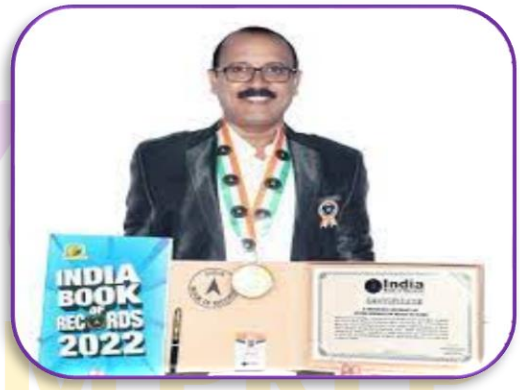

- यह पुस्तक वर्ष 2008 में प्रभात प्रकाशन दिल्ली द्वारा पहली बार प्रकाशित हुई थी।अब तक इस पुस्तक के चार संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं, इसके साथ ही विगत 10 वर्षों से यह पुस्तक बेस्ट सेलर बायोग्राफी में भी शामिल रही है।
- प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 15 नवंबर 2009 को इस पुस्तक का विमोचन किया था। श्री मुरली मनोहर श्रीवास्तव का जन्म बक्सर जिले के डुमरांव गाँव के डा. शशि भूषण श्रीवास्तव के घर हुआ था । श्री मुरली मनोहर श्रीवास्तव को डॉक्टरेट की मानद उपाधि के लिए यूनाइटेड किंग्डम में नामित किया गया है।
- श्री मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने बिस्मिल्लाह खां के जीवन पर पुस्तक के अलावा दो डॉक्यूमेंट्री भी बनायी है। इनमें से एक सफर-ए-बिस्मिल्लाह तथा दूसरी दूरदर्शन के लिए है।
- वर्ष 2006 से इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स निर्विवाद रूप से रक्षात्मक और विभिन्न भारतीय रिकॉर्ड्स का संरक्षक रहा है। भारत सरकार के साथ पंजीकृत इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स प्रत्येक वर्ष रिकॉर्ड बुक प्रकाशित करता है, ताकि लेखकों की क्षमता को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिल सके।

राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2022 के लिए बिहार के शिक्षक सौरव सुमन और शिक्षिका निशी कुमारी का चयन

चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2022 के लिए समग्र भारत के 46 शिक्षकों को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, 2022 से सम्मानित किया जाएगा।
- राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2022 के लिए बिहार से कुल 6 शिक्षकों को शॉर्टलिस्ट किया गया था, किन्तु अंतिम चयन सूची में केवल दो शिक्षक/शिक्षिका का ही नाम शामिल हो सका।

मुख्य बिंदु : -

- स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से प्रत्येक वर्ष शिक्षक दिवस (5सितम्बर) के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के समारोह में राष्ट्रपति के द्वारा देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को पुरस्कार दिया जाता है।
- चयनित शिक्षिका निशि कुमारी वर्तमान समय में पटना के महादेव उच्च माध्यमिक विद्यालय, खुसरूपुर में अध्यापन कार्य करती हैं तथा शिक्षक सौरव सुमन ललित नारायण लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट गर्ल्स उच्च विद्यालय त्रिवेणीगंज,सुपौल में अध्यापन कार्य करते हैं।
- शॉर्टलिस्टेड अन्य चार शिक्षकों में आदर्श कन्या प्लस टू स्कूल रामगढ़, भभुआ के प्रभारी प्रधान शिक्षक अनिल कुमार सिंह, बीबी राम सीनियर सेकेंडरी स्कूल सारण के शिक्षक नसीम अख्तर, उत्क्रमित उच्च विद्यालय माधोपट्टी, दरभंगा के शिक्षक रवि रौशन कुमार एवं कन्या मध्य विद्यालय चांदमारी, मोतिहारी के प्रभारी प्रधान शिक्षक ममता पांडे, शामिल थे।

श्रीअतुल प्रसाद बने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के नए अध्यक्ष

चर्चा में क्यों ?

- बिहार सरकार ने पूर्व आईएएस ऑफिसर श्री अतुल प्रसाद को बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है ।
- इनकी नियुक्ति पूर्व के अध्यक्ष आर के महाजन के स्थान पर किया गया है, ध्यातव्य है कि आर के महाजन का कार्यकाल 4 अगस्त, 2022 को समाप्त हो गया है।

मुख्य बिंदु : -

BYJU'S EXAM PREP

- श्री अतुल प्रसाद की नियुक्ति बिहार लोक सेवा आयोग के 24वें अध्यक्ष के रूप में 5 अगस्त, 2022 से प्रभावी है, श्री प्रसाद वर्ष 1987 बैच के आईएएस अधिकारी हैं ।
- बीपीएससी के अध्यक्ष बनने से पहले श्री अतुल प्रसाद फरवरी 2022 में बिहार के विकास आयुक्त के पद से सेवानिवृत हुए थे इसके अतिरिक्त श्री प्रसाद बिहार सरकार के कई विभागों में प्रधान सचिव भी रह चुके हैं।
- अतुल प्रसाद ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) कानुपर से इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। इसके बाद इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी से मास्टर्स ऑफ बिजनेस एडमिस्ट्रेशन (एमबीए), फाइनेंस एंड फाइनेशियल मैनेजमेंट सर्विसेज की पढ़ाई की और वर्ष 2010 में सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी - मैक्सवेल स्कूल ऑफ सिटिजनशिप एंड पब्लिक अफेयर्स से पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में सीएएस किया है।
- यह ध्यान देने योग्य है कि बिहार लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष और सदस्य छह वर्ष या 62 वर्ष की आयु तक के लिए अपने पद पर नियुक्त होता है।
- भारत सरकार अधिनियम, 1935 की धारा 261 की उप-धारा (1) के अनुसार, उड़ीसा और मध्य प्रदेश राज्यों से अलग होने के बाद, बिहार लोक सेवा आयोग 1 अप्रैल 1949 को अस्तित्व में आया।
- इसकी संवैधानिक स्थिति 26 जनवरी, 1950 को भारत के संविधान की घोषणा के साथ घोषित की गई थी। यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 315 के तहत एक संवैधानिक निकाय है।
- प्रारंभ में बिहार लोक सेवा आयोग का मुख्यालय रांची में था। राज्य सरकार ने आयोग का मुख्यालय 1 मार्च 1951 को रांची से पटना स्थानांतरित कर दिया गया।
- बिहार लोक सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष श्री राजंधारी सिन्हा थे और आयोग के पहले सचिव श्री राधा कृष्ण चौधरी थे।

75 वें स्वतंत्रता दिवस, 2022 पर कृषि विभाग की झांकी को मिला पहला स्थान

चर्चा में क्यों ?

- 15 अगस्त, 2022 को बिहार का मुख्य राजकीय समारोह का आयोजन पटना के गांधी मैदान में किया गया था। इस अवसर पर कुल 9 विभागों की झांकियां निकाली गई थी।

मुख्य बिंदु : -

- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शामिल सभी झांकियों में कृषि विभाग की झांकी को पहला स्थान मिला, अग्निशमन विभाग को दूसरा स्थान और शिक्षा परियोजना की झांकी को तीसरा स्थान मिला।

BYJU'S EXAM PREP

- उपर्युक्त के अलावा अन्य झांकियों में मद्य निषेध विभाग, जीविका, उद्योग विभाग, पर्यटन विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग और भवन निर्माण विभाग की भी झांकी निकाली गई थी।
- इस समय जबकि पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, उसमें शामिल सभी झांकियों को उनके अच्छे प्रदर्शन करने के आधार पर पुरस्कृत किया गया।
- मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने सुरक्षा बलों के चौदह टुकड़ियों का निरीक्षण कर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को बेस्ट परेड के लिए प्रथम पुरस्कार दिया।

पटना डेयरी प्रोजेक्ट को मोस्ट ट्रस्टेड ब्राण्ड अवार्ड - 2022

चर्चा में क्यों ?

- नई दिल्ली में आयोजित ''ग्रामीण एवं शहरी विकास समिट अवार्ड - 2022'' में माननीय राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर, शहरी मामले विभाग, भारत सरकार के द्वारा वैशाली पाटलिपुत्र दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., पटना (पटना डेयरी प्रोजेक्ट) को ''मोस्ट ट्रस्टेड ब्राण्ड अवार्ड-2022'' एवं संघ के प्रबंध निदेशक श्री श्रीनारायण ठाकुर को ''डेयरी सी.ई.ओ. अवार्ड-2022'' प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु : -

- ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादकों को अपने कुशल प्रबंधन के द्वारा विभिन्न संस्थानों से जोड़ते हुए उन्हें उनके दूध का उचित मूल्य उपलब्ध कराकर लाभ दिलाने के लिए पटना डेयरी प्रोजेक्ट प्रारम्भ से ही प्रयासरत है।
- राज्य एवं राज्य के बाहर सुधा एक प्रतिष्ठित ब्राण्ड के रूप में जाना जाता है जिसके लिए पटना डेयरी प्रोजेक्ट संस्थान को यह अवार्ड प्राप्त हुआ है ।
- वैशाली पाटलिपुत्र दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, पटना या पटना डेयरी प्रोजेक्ट इस गुणवत्ता चिन्ह (क्वालिटी मार्का) को कार्यान्वित करने वाला देश का प्रथम संघ है।
- बिहार में पहली बार पटना डेयरी प्रोजेक्ट के सुपर सुधादान को क्वालिटी मार्क प्रदान किया गया है। सुपर सुधादान पशु आहार बिहार में दुधारू पशुओं के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए जरूरी पोषक तत्वों का मुख्य स्रोत है।

- यह उल्लेखनीय है कि वर्तमान समय में भारत में उत्पादित पशु आहार और खनिज मिश्रण की गुणवत्ता पर निगरानी रखने के लिए कोई विशेष नियम नहीं है। इसको ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड विभिन्न प्रकार के पशु आहार और खनिज मिश्रणों के लिए एक गुणवत्ता चिन्ह को कार्यान्वित कर रहा है।

बिहार के तत्कालीन उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज द्वारा बिहार स्टार्ट अप पॉलिसी - 2022 की शुरुआत की गयी

चर्चा में क्यों ?

- देश में उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।
- इसी क्रम में, बिहार सरकार द्वारा राज्य के युवा उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए बिहार स्टार्ट अप पॉलिसी - 2022 का शुभारंभ किया गया है।

मुख्य बिंदु : -

- इस कार्यक्रम के तहत लाभार्थी उद्यमियों को 10 वर्षों के लिए, 10 लाख रुपये तक का ऋण बिना किसी ब्याज दर पर प्रदान किया जायेगा। लाभार्थी उद्यमियों को ऋण स्वरुप यह धनराशि सीड फंड के तौर पर उपलब्ध कराया जायेगा। इसके साथ ही इस पॉलिसी के अंतर्गत लाभार्थी उद्यमियों को आवश्यकता पड़ने पर ट्रेनिंग एवं मार्केटिंग में भी राज्य सरकार द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।
- इस पॉलिसी के अंतर्गत यदि कोई स्टार्टअप राज्य के किसी विकासात्मक कार्यक्रम में भाग लेता है, तो उन्हें राज्य सरकार द्वारा उत्पाद विकास एवं प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त 3 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- स्टार्टअप हेतु जो युवा उद्यमी एंजेल निवेश को सुरक्षित करने का प्रबंधन करते हैं, उन्हें राज्य सरकार द्वारा सफलता शुल्क के तौर पर लाभार्थीयों द्वारा किये गए कुल निवेश के अतिरिक्त 2% की धनराशि वित्तीय सहायता के रूप में दिया जाएगा।
- बिहार को स्टार्टअप कैपिटल बनाने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बिहार राज्य सरकार ने पहले मुख्यमंत्री उद्यमी योजना प्रारंभ की थी उसके बाद बिहार स्टार्टअप पॉलिसी 2022 को प्ररम्भ किया गया है।

- इस सन्दर्भ में राज्य सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को प्रोत्साहित करने के लिए पारंपरिक उद्योग जैसे:- हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, खादी, ग्रामोद्योग आदि को और अधिक शक्तिशाली बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
- महिला उद्यमियों के नेतृत्व में संचालित राज्य के प्रत्येक स्टार्टअप को 5% अतिरिक्त फंड अर्थात 10 लाख 50 हजार रुपये की वित्तीय सहायता सीड फंड के रुप में एवं 3 लाख 15 हजार रुपये विकासात्मक कार्यक्रम में भाग लेने पर उपलब्ध कराया जायेगा।
- राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) स्टार्टअप संस्थापकों को अतिरिक्त 15% अर्थात 11 लाख 5 हजार रुपये की धनराशि सीड फंड के रुप में एवं राज्य के विकासात्मक कार्यक्रमों में भाग लेने की दशा में 3 लाख 45 हजार रुपये की धनराशि उपलब्ध कराये जायेंगे।

शिखा गोयल को मरणोपरान्त दिया गया मैथिली का साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार-2021

चर्चा में क्यों ?

- मैथिली में साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार - 2021 की घोषणा विगत 4 अगस्त, 2022 को कर दी गयी है। यह पुरस्कार बिहार के दरभंगा जिले की दिवंगत बेटी शिखा गोयल को दिया गया है।
- उल्लेखनीय है कि साहित्य अकादमी में शामिल अन्य भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी। तकनीकी कारणों से मैथिली में इस पुरस्कार की घोषणा देर से हुई है।

मुख्य बिंदु : -

- स्व.गोयल को यह पुरस्कार गो.नी.दांडेकर द्वारा मराठी में लिखित आत्मकथात्मक उपन्यास “स्मरणगाथा” के मैथिली अनुवाद के लिए दिया गया है।
- स्व.शिखा गोयल द्वारा अनुवादित इस पुस्तक का प्रकाशन साहित्य अकादमी से ही वर्ष 2018 में हुआ था।
- स्व.शिखा गोयल, सहरसा पशुपालन विभाग से अवकाश प्राप्त पशुपालन पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार झा की पुत्री हैं ।स्व. गोयल का मायका दरभंगा के मिर्जापुर में है, जबकि इनका विवाह चंडीगढ़ में हुआ है।
- सर्जनात्मक लेखन के लिए दिए जाने वाले पुरस्कारों के अतिरिक्त साहित्य अकादमी वर्ष 1989 से अनुवादों के लिए पुरस्कार प्रदान कर रही है। यह पुरस्कार साहित्य अकादमी की मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में विशिष्ट

अनुवादकों को दिया जाता है। किन्तु साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार 2021 के लिए 22 पुस्तकों को पुरस्कार के लिए चुना गया है।

- वर्ष 1989 में इस विधा की पुरस्कार राशि मात्र 10,000/-रु. थी, वर्ष 2001 में ब़ढाकर इसे 15,000/-रु. कर दिया गया तथा वर्ष 2003 से यह राशि 20,000/-रु. कर दी गई और वर्ष 2009 में यह राशि बढ़ाकर 50,000/- रुपए कर दी गई है।

अमृत योजना 2.0 में बिहार के 22 शहर शामिल इस योजना में गया सहित बिहार के कुल 27 शहर नामित

चर्चा में क्यों ?

- केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के द्वारा अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) योजना का विस्तार वर्ष 2025-26 तक के लिए कर दिया गया है। जिसे अमृत योजना 2.0 के नाम से जाना जाता है।
- बिहार राज्य सरकार की अनुशंसा पर इस योजना में बोधगया सहित प्रदेश के 22 शहर शामिल किये गये हैं, इसके लिए अगले तीन वर्ष के दौरान चयनित शहर के सभी घरों में (सौ प्रतिशत) स्वच्छ नल का जल एवं गंदे जल की निकासी के लिए सीवेज व सेप्टेज कनेक्शन सहित अन्य सारी व्यवस्था की जायेगी।

मुख्य बिंदु : -

- बिहार के चयनित अमृत शहर में पटना,गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, बिहारशरीफ, दरभंगा, पूर्णिया, आरा, बेगूसराय, कटिहार, मुंगेर, दानापुर, सासाराम, सहरसा, डेहरी, सीवान, छपरा, बेतिया, मोतिहारी, बगहा, किशनगंज, जमालपुर, जहानाबाद, बक्सर, हाजीपुर औरंगाबाद और नवचयनित शहर बोधगया शामिल हैं।
- बोधगया के इस सूची में शामिल होने के बाद बिहार में अमृत योजना में शामिल शहरों की संख्या अब 26 से 27 हो गई है।
- राज्य सरकार द्वारा चयनित अमृत शहर में अनुशंसित योजनाओं के क्रियान्वयन के सन्दर्भ में केंद्र सरकार प्रत्येक वर्ष तीन किश्तों में क्रमश: 20, 40, 40 प्रतिशत धनराशि राज्य को उपलब्ध करायेगी।तीसरे वर्ष की राशि प्राप्त करने के लिए संबंधित निकाय को संपत्ति कर और उपयोग शुल्क में सुधारका ब्यौरा केंद्र सरकार को देना होगा।
- अमृत योजना के तहत राज्य के 27 शहरों में नागरिक सुविधाओं के विकास के लिए पांच वार्षों में लगभग 3835 करोड़ रुपए से अधिक के खर्च का अनुमान लगाया गया है।

- इस योजना में एक लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों को शामिल किया गया है। इस योजना के माध्यम से जलापूर्ति, सफाई, सीवरेज, सेप्टेज, वर्षा जल निकासी, शौचालय, नदी घाटों का सौंदर्यीकरण और पार्कों के विकास आदि योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।
- अमृत 2.0 में बिहार के शामिल शहर औरंगाबाद, बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, दरभंगा, गया, जहानाबाद, कटिहार, किशनगंज, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पश्चिम चंपारण, पटना, पूर्वी चंपारण, पूर्णिया, रोहतास, सहरसा, सारण, सीवान तथा वैशाली हैं।

अवध बिहारी चौधरी बिहार विधानसभा के निर्विरोध नव निर्वाचित अध्यक्ष बने

चर्चा में क्यों ?

- पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा के इस्तीफे के बाद बिहार विधानसभा के नए अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया है।
- इसके लिए महागठबंधन ने राजद के अवध बिहारी चौधरी को विधानसभा अध्यक्ष के लिये अपना प्रत्याशी बनाया था। उनके विरोध में कोई और नामांकन नहीं हुआ, जिसके बाद उनका निर्विरोध चुनाव हुआ है।

मुख्य बिंदु :-

- बिहार विधानसभा के नव निर्वाचित अध्यक्ष (स्पीकर) श्री अवध बिहारी चौधरी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की स्थापना के बाद अपनी पार्टी से राज्य विधानसभा के दूसरे अध्यक्ष होंगे।अवध बिहारी चौधरी राबड़ी देवी सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं।
- इससे पहले श्री देवनारायण यादव राजद से बिहार विधानसभा के अध्यक्ष रह चुके हैं, वह वर्ष 1995 से वर्ष 2000 तक विधानसभा स्पीकर के पद पर रहे थे।
- पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की तरफ से लखीसराय विधानसभा से लगातार चुनाव जीतते रहे हैं।
- अवध बिहारी चौधरी बिहार विधानसभा के 17वें अध्यक्ष बने हैं। ध्यातव्य है कि विगत 24 अगस्त को पूर्व बिहार विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।
- 76 वर्षीय श्री अवध बिहारी चौधरी सिवान जिले से वर्ष 1985, 1990, 1995, 2000 और फरवरी, 2005 तथा वर्ष 2020 में विधायक चुने गए। उन्होंने वर्ष 2020 में स्पीकर पद के लिये चुनाव लड़ा था, लेकिन विजय कुमार सिन्हा से मुकाबले में हार गए थे।

मुजफ्फरपुर जिले का खगोलीय वेधशाला यूनेस्को की लुप्तप्राय वेधशालाओं की विरासत सूची में शामिल

चर्चा में क्यों ?

- बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के लंगट सिंह कॉलेज में अवस्थित 106 वर्ष पुरानी तारामंडल खगोलीय वेधशाला को यूनेस्को (UNESCO) द्वारा महत्वपूर्ण लुप्तप्राय वेधशालाओं की विरासत सूची में शामिल कर लिया गया है।

मुख्य बिंदु :-

- मुजफ्फरपुर के वेधशाला और तारामंडल 1970 के दशक की शुरुआत तक संतोषजनक ढंग से अपना कार्य करता था, किन्तु बाद में शासन की उपेक्षा की वजह से इस वेधशाला का नियमित रूप से क्षरण होता रहा ।
- वर्तमान में यह वेधशाला पूरी तरह से खराब पड़ी है। यूनेस्को की लुप्तप्राय विरासत वेधशालाओं की सूची में शामिल होने के बाद अब, अधिकारियों को इसकी बहाली के लिए राज्य सरकार से धन मिलने की उम्मीद है।
- लंगट सिंह कॉलेज की स्थापना 1899 में हुई थी। यह वेधशाला भारत के पूर्वी भाग में अपनी तरह की पहली वेधशाला है। मुजफ्फरपुर में अवस्थित यह खगोलीय वेधशाला वर्ष 1916 में स्थापित की गई थी, जो छात्रों को विस्तृत खगोलीय ज्ञान प्रदान करती है।
- सर्वप्रथम प्रोफेसर रोमेश चंद्र सेन ने लंगट सिंह कॉलेज में खगोलीय वेधशाला स्थापित करने की पहल की थी । वर्ष 1914 में, उन्होंने मार्गदर्शन के लिए एक खगोलशास्त्री जे मिशेल से बात की थी।
- इस सन्दर्भ में वर्ष 1915 में टेलिस्कोप, क्रोनोग्रफ़, खगोलीय घड़ी और अन्य उपकरण इंग्लैंड से खरीदे गए थे।और अंतत: वर्ष 1916 में यहाँ खगोलीय वेधशाला प्रारंभ की गई थी। वर्ष1946 में, मुजफ्फरपुर के इस कॉलेज में एक प्लैनेटेरियम भी स्थापित किया गया था।

यूनेस्को

- यूनेस्को की स्थापना 16 नवंबर, 1945 को हुई थी, यूनेस्को का मुख्यालय पेरिस (फ्रांस) में है, वर्तमान समय में यूनेस्को के 193 सदस्य देश हैं तथा यूनेस्को के वर्तमान प्रमुख ऑड्रे अज़ोले हैं।
- पुरे विश्व में सांस्कृतिक और प्राकृतिक महत्व के स्थलों को यूनेस्को की विश्व विरासत सम्मेलन के तहत मान्यता प्राप्त है। यह सम्मेलन वर्ष 1972 में अस्तित्व में आया था।

- भारत में, अभी कुल 40 विश्व धरोहर स्थल हैं, जो इसे विश्व धरोहर स्थलों की छठी सबसे बड़ी संख्या वाला देश बनाते हैं। इसमें 32 सांस्कृतिक स्थल, 7 प्राकृतिक स्थल और 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं।
- जयपुर का जंतर मंतर भी यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल है। जंतर मंतर 19 खगोलीय उपकरणों का एक संग्रह है, जिसका निर्माण राजा सवाई जय सिंह द्वितीय द्वारा किया गया था। इसमें दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की धूपघड़ी भी मौजूद है।